भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. *316 जिसका उत्तर
शुक्रवार, 21 मार्च, 2025/30 फाल्गुन, 1946 (शक) को दिया जाना है

कांडला बंदरगाह की क्षमता का विस्तार

+*316. डॉ. संजय जायसवाल :
श्री देवुसिंह चौहान :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या कांडला बंदरगाह पर 57000 करोड़ रुपये के निवेश से इसकी क्षमता में वृद्धि किए जाने का लक्ष्य रखा गया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं;
(ग) क्या कांडला बंदरगाह की क्षमता वृद्धि को वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं तथा अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (आईएनएसटीसी) जैसे उभरते व्यापार गलियारों के साथ एकीकृत करने की कोई योजना है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

“कांडला बंदरगाह की क्षमता का विस्तार" के संबंध में श्री डॉ. संजय जायसवाल और श्री देवुसिंह चौहान द्वारा पूछे गए दिनांक 21.03.2025 के लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. *316 के उत्तर के भाग (क) से (घ) में संदर्भित विवरण

(क) और (ख): जी, हां। कांडला, दीनदयाल पत्तन प्राधिकरण पर 57000 करोड़ रुपए (लगभग) के निवेश से इसकी क्षमता में वृद्धि किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसका विवरण नीचे दिया गया है

i) कांडला में नए स्मार्ट पत्तन का विकास

लगभग 6 किलोमीटर के जलीय अग्रपृष्ठ (वाटरफ्रंट) का उपयोग करते हुए बहुप्रयोजन और कंटेनर कार्गो को संभालने हेतु व्यापार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 27,000 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से 135 एमएमटीपीए (लगभग) की क्षमता वृद्धि से एक नए स्मार्ट पत्तन की योजना बनाई गई है।

ii) कांडला में मेगा पोत निर्माण मरीन क्लस्टर

मंत्रालय के विजन के अनुरूप, दीनदयाल पत्तन अपनी विस्तृत तटरेखा और विशाल भूमि क्षेत्र के साथ परियोजना घटकों जिसमें 30,000 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से कांडला में पोत निर्माण यार्ड, मरीन, मत्स्यन बंदरगाह और टाउनशिप शामिल है के साथ एक मेगा पोत निर्माण क्लस्टर विकसित करने की योजना बना रहा है

(ग) और (घ): जी, हां। भारत अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन कॉरीडोर (आईएनएसटीसी) और भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक कॉरीडोर (आईएमईईसी) का हिस्सा है। दीनदयाल पत्तन प्राधिकरण इसमें एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

*****